जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 18 संख्याः 191 प्रभात जालोर, मंगलवार 17 अक्टूबर, 2023 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में तोते की एक प्रजाति, ब्लैक काकातू (कॉकटू) बेहद आम हैं। कार्नबी, बॉडिन और फॉरेस्ट रैड टेल्ड ब्लैक काकातू, ये सभी यहाँ सहज सुलभ हैं। लेकिन, दुर्भाग्यवश ये खूबसूरत पंछी ज्यादा दिन नज़र नहीं आएंगे। वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में ब्लैक काकातू की तीन प्रजातियाँ वर्तमान में संवेदनशील, संकटग्रस्त और गंभीर रुप से संकटग्रस्त लिस्ट में अधिसूचित हैं। इनकी आबादी तेजी से घट रही है। कुछ वैज्ञानिकों ने यह भविष्यवाणी तक कर दी है कि, ये जल्दी ही लुप्त हो सकते हैं। काराकिन ब्लैक काकातू कंज़र्वेशन सैंटर की क्लोई बाल्सली, डार्लिंग रेंज वाइल्डलाइफ शैल्टर और काराकिन में स्वयं सेवक हैं। इनका समूह ब्लैक काकातू को लुप्त होने से बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। अत्यधिक खूबसूरत ब्लैक काकातू बहुत ही मस्तमौला पक्षी हैं, उनके आस-पास जो भी होता है उससे उनका भावात्मक रिश्ता बन जाता है। इसलिए इन पक्षियों को मारा जाना ज्यादा दर्दनाक है। क्लोई कहती हैं कि, आवास विनाश व जंगलों का विखण्डन ब्लैक काकातू के लिए सबसे बड़ा खतरा है। मूल आवास नष्ट होने से ब्लैक काकातू को भोजन के लिए दूर तक जाना पड़ता है, इस कारण उनके लिए खतरा बढ़ रहा है। यात्रा में कई छोटे पक्षी तो खो जाते हैं। क्लोई ने कहा, '' हमें कई कार्नबी काकातू बीमार अवस्था में भी मिले हैं। कीटनाशक दवा वाली कैनोला फसलों को खाने से इन्हें काकातू हाइन्डलिंब पैरालिसिस सिंड्रोम हो जाता है। इसके अलावा रेवन्स (काले कौंए) भी प्रायः इन पर हमला कर देते हैं। इन घायल व बीमार पक्षियों का पुनर्वास हो सकता है, पर यह एक लम्बी प्रक्रिया है। ब्लैक काकातू पेड़ों के कोटर में घर बनाते हैं। कोटर बनने में कई साल लग जाते हैं, और अगर जंगल कटते रहे तो इनके लिए घोंसला बनाने की जगह ही नहीं बचेगी। ब्लैक काकातू का सांस्कृतिक महत्व भी है। स्थानीय कबीलों के सरदार इनके पंखों को सिर पर धारण करते हैं। कार्नबी ब्लैक काकातू को वर्षा का अग्रदूत माना जाता है। कीट पतंगों को खाकर ये जंगल को सुरक्षित रखते हैं, बीजों को दूर तक फैलाते हैं और पर्यावरण की मदद करते हैं।

गहलोत के पर कतरने का ब्लूप्रिंट तैयार किया आलाकमान ने

50 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटे जाएंगें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। कांग्रेस नेतृत्व ने अशोक गहलोत के पर कतरने के तैयारी कर ली है। ऐसी उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी के 50 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काटे जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस में उच्चतम स्तर पर मोटे तौर पर यह समझौता हुआ है।

कांग्रेस के अपने विश्लेषक सुनील कानूगोलू ने अपने सर्वेक्षण में स्पष्ट कहा कि पार्टी को अपने 102 विधायकों में से 50 प्रतिशत को हटाना होगा। उन्होंने इन विधायकों के नाम भी दिए हैं और कहा है कि इनके खिलाफ भयंकर एंटी-इंकम्बैंसी है और ये बड़े पैमाने पर चुनाव हारने वाले हैं।

ऐसा समझा जाता है कि राहुल गांधी इस सर्वेक्षण से सहमत हैं और चाहते हैं कि 50 प्रतिशत को टिकट नहीं दिया जाय। स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई राहुल गांधी से सहमत हैं और उनकी आज्ञा का पालन करेंगे।

सूत्रों का कहना है कि कि सी.ई.सी. (सैंट्रल इलैक्शन कमेटी) और स्क्रीनिंग कमेटी के अधिकांश बड़े नेताओं का मानना है कि ऐसा होना चाहिए। केवल अशोक गहलोत सहमत नहीं है और इस आधार पर इन विधायकों को वापिस टिकट दिलवाने में ऐड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं कि उन्होंने सरकार बचाने में मदद की।

गहलोत ने दबाव बनाने के लिए अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक और अन्य से भेंट की और मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने वाले हैं। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक कल होगी और सी.ई.सी. की 18 को, जब पहली सूची की घोषणा की जाएगी।

उद्देश्य है चुनाव जीतने की कोशिश करना, एंटी इकम्बैंसी को हराना और साथ ही अशोक गहलोत को कमजोर करना जो कांग्रेस के हित देखे बिना अपने ही खेल रचते हैं। सूत्रों का कहना है कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेतृत्व अशोक गहलोत और उनके विधायकों के पर कतरने में लगा है।

- सुनील कानूगोलू के सर्वे में साफ कहा गया है कि, 102 विधायकों में से 50 प्रतिशत के टिकट काटना बेहद जरुरी है। सुनील कानूगोलू ने इन विधायकों के नाम भी दिए हैं। कहा जा रहा है कि, इन विधायकों की हार तय है।
- पता चला है कि, राहुल गांधी पूरी तरह से इसी सर्वे का पालन करते हुए और 50 प्रतिशत विधायकों के टिकट काट देना चाहते हैं।
- स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई भी राहुल गांधी से सहमत हैं तथा उनके निर्देशों का पालन करेंगे।
- सूत्रों ने कहा कि, सैंट्रल इलैक्शन कमेटी की बैठक में सभी नेता 50 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटने पर सहमत थे, सिवाय गहलोत के, जो एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं, अपनी सरकार बचाने वाले विधायकों को टिकट दिलवाने के लिए।
- गहलोत ने अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक और अन्य नेताओं से मुलाकात की, पार्टी अध्यक्ष पर दबाव डलवाने के लिए।

हेमाराम चौधरी को मनाने के लिए एकजुट हुए गुढ़ामालानी के कांग्रेस कार्यकर्ता

मेला मैदान, गुढ़ामालानी, में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन व धन्यवाद सभा में पूरा दिन हेमाराम चौधरी को मनाने की कवायद चली

गुड़ामालानी, 16 अक्टूबर (निसं)। गुड़ामालानी मुख्यालय के मेला मैदान में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन एवं धन्यवाद सभा का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित हुए। सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हेमाराम चौधरी भी मौजूद थे।

ज्ञातव्य है कि, कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी ने इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। कई बार सार्वजनिक मंचों पर भी उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि, अबकी बार युवाओं को मौका दिया जाना चाहिए। लेकिन क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मांग है कि, इस बार वो चुनाव मैदान में उतरें। सोमवार को आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में हेमाराम चौधरी ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि, गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र की जनता का मेरे ऊपर कर्ज है, जो मैं कभी उतार नहीं सकता हूं। चुनाव मैदान में हार जीत होती रहती है। लेकिन मैं एक किसान का बेटा हूं और किसान का बेटा कभी हार से नहीं डरता है। जनता की बात को मानते हुए मैं विधानसभा क्षेत्र गुड़ामालानी से छह बार चुनाव लड़ चुका हूँ और जीता हूँ। उन्होंने कहा, अब मैंने एक मुंह से मना किया तो उसी मुंह से हां नहीं भर सकता हूं। अगर मैं जनता की बात मानता हूं तो जनता भी मेरी बात को माने अन्यथा मैं भी अन्न जल त्याग दूँगा।

संबोधन के दौरान क्षेत्र की जनता एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मांग को देखते हुए हेमाराम चौधरी अपनी बात को पूरी किए बिना वापस अपने स्थान पर जाकर बैठ गए। एक बजे से लगाकर पांच बजे तक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओर कार्यकर्ताओं द्वारा हेमाराम चौधरी को मानने का दौर चला। आखिर हेमाराम चौधरी ने वापस मंच पर आकर कहा कि, पार्टी जो तय करेगी एवं जिसको टिकट देगी। उसके साथ खड़े रहकर हमें उसे जिताना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अन्त में हेमाराम चौधरी ने यह कह कर मामला शांत किया कि, पार्टी जिसे भी क्षेत्र से टिकट देगी, उसके साथ खड़े रह कर हमें उसे जिताना है।
- गौरतलब है कि, हेमाराम चौधरी ने इस बार चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। उन्होंने कहा, मैं गुढ़ामालानी से 6 बार विधायक रह चुका हूँ, अब युवा को मौका दिया जाना चाहिए।
- पर, यह भी वास्तविकता है कि, हेमाराम की क्षेत्र में भारी लोकप्रियता है और सिर्फ वे ही हैं जो यहां भाजपा को टक्कर दे सकते हैं।

देवजी के विरोध में 168 बूथ अध्यक्षों के इस्तीफे

सांचौर, 16 अक्टूबर (निसं)। भाजपा सांसद देवजी पटेल को विधानसभा चुनाव में टिकट दिये जाने से नाराज स्थानीय कार्यकर्ताओं में विरोध दिन पर दिन बढ़ता ही जा रहा है। सोमवार को सांचौर व भाजपा विधानमंडल के 168 पदाधिकारियों ने एक साथ पद से इस्तीफा दे दिया। सांचौर विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले 9 क्षेत्रों को भाजपा का शक्ति केन्द्र माना जाता है। सोमवार को इन 9 शक्ति केन्द्रों के 168 भाजपा बूथ अध्यक्षों ने एक साथ सामूहिक इस्तीफा दे दिया।

बूथ अध्यक्षों का कहना है कि, पिछले 5 वर्षों में संगठन के प्रत्येक कार्य भागीदारी से निभाने में पूर्व विधायक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सांचौर विधानसभा क्षेत्र से सांसद देवजी पटेल को टिकट दिए जाने पर विरोध निरंतर जोर पकड़ रहा है। सोमवार को 9 शक्ति केन्द्रों के 168 बूथ अध्यक्षों ने एक साथ इस्तीफे दे दिए।

क्या महुआ मोइत्रा जेल जाने वाली अगली सांसद होंगी?

राजनैतिक हल्कों में चर्चा है कि, राहुल गांधी व संजय सिंह की तरह महुआ को भी गौतम अडानी पर सवाल उठाने के लिए निशाना बनाया जा रहा है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। कांग्रेस के राहुल गाँधी और आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह के बाद, क्या भाजपा ने उद्योगपति गौतम अडानी पर आक्रमण करने वाली तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को चुप कराने के लिए उनपर जवाबी हमला करने का निर्णय लिया है।

रविवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को लिखे गये पत्र के बाद इस चर्चा ने जोर पकड़ा है। दुबे ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि, बिज़नैसमैन हीरानन्दानी से पैसे लेकर मोइत्रा उनकी तरफ से संसद में प्रश्न पूछती हैं। दुबे की शिकायत एक पत्र पर आधारित है, जो उन्हें मोइत्रा के पूर्व बॉयफ्रैंड व वकील जय अनन्त देहाद्राई से मिला है। जय अनन्त ने, यह दावा करते हुए, सी.बी.आई. में शिकायत दर्ज करवाई है कि, उनके पास इस बात के "अकाट्य सबूत" हैं कि महुआ मोइत्रा हीरानन्दानी से रिश्वत लेती हैं। मोइत्रा के विरुद्ध कार्रवाई की संभावना प्रबल है।

हीरानन्दानी ने इन आरोपों का खण्डन किया है, वहीं, मोइत्रा ने दुबे, एडवोकेट देहाद्रार्ह तथा कई मीडिया संगठनों को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। देहाद्रार्ह के साथ ब्रेकअप के बाद, कृष्णा नगर से सांसद, मोइत्रा ने एडवोकेट के विरुद्ध पुलिस कम्प्लेंट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा था कि, एडवोकेट ने उनके निवास में जबरन प्रवेश करने का प्रयास किया और एक मौके पर तो उनका कुत्ता भी चुरा लिया, जिसे बाद में लौटा दिया। देहाद्रार्ह के आग्रह पर मोइत्रा ने कम्प्लेंट वापस ले ली थी। फायनैन्शियल टाइम्स में,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने स्पीकर ओम बिड़ला को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि, सांसद महुआ मोइत्रा पैसे लेकर संसद में सवाल पूछती है
- दुबे ने आरोप लगाया कि, मोइत्रा बिज़नैस टायकून दर्शन हीरानंदानी से पैसे और मंहगे तोहफे लेती हैं और इसके एवज में संसद में मुद्दे उठाती हैं।
- दुबे की शिकायत महुआ के पूर्व मित्र एवं एडवोकेट जय अनंत देहाद्राई के पत्र पर आधारित है, जिसने सी.बी.आई. में शिकायत दर्ज कर इस संबंध में सबूत होने की बात कही है।
- यही नहीं, मोइत्रा की निज़ी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल की गई हैं।

पवन खेड़ा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यू.पी. सरकार को नोटिस दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा। खेड़ा ने यह याचिका उस एफ.आई.आर को निरस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- खेड़ा ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के17 अगस्त के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इहालाबाद हाई कोर्ट ने मोदी के नाम का गलत उच्चारण करने के मामले में दर्ज एफ. आई.आर. रद्द करने की खेड़ा की याचिका खारिज कर दी थी।

सी.जे.आई. की टिप्पणी से मिला आईडिया, आप को शराब घोटाले का आरोपी बनाएगी ई.डी. व सी.बी.आई.

भारत के मुख्य न्यायाधीश, डी. वाय. चंद्रचूड़ ने मनीष सिसोदिया के केस की सुनवाई करते समय कहा था, अगर सिसोदिया पर पार्टी के लिए पैसे लेने का आरोप है, तो पार्टी को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) और सी.बी.आई. ने सुप्रीम कोर्ट को सोमवार को कहा कि वे पार्टी को भ्रष्टाचार एवं मनी लॉण्डरिंग के उस मुकदमे में आरोपी बनाने जा रहे हैं जिसमें दिल्ली की आबकारी नीति के तहत गत वर्ष बहुत बड़ा घोटाला हुआ था।

यह आइडिया असल में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी.वाय. चंद्रचूड़ से मिला, जब एक सुनवाई के दौरान उन्होंने एजेंसियों से पूछा कि यदि मुकदमा यह है कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अपनी पार्टी के लिए पैसा इकट्ठा कर रहे थे तो आप को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया।

दोनों जांच एजेंसियों का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने जस्टिस संजीव खन्ना और एस.वी.एन. भट्टी की बैंच को कहा कि उन्हें यह वक्तव्य देने के निर्देश मिले हैं कि "हम आम आदमी पार्टी (आप) को आरोपी बनाने की तैयारी कर रहे हैं और प्रीवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट तथा प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉण्डरिंग एक्ट की धारा 70 के तहत आरोप निर्धारित कर रहे हैं।

लेकिन बैंच ने उन्हे मंगलवार को यह स्पष्ट करने के लिए कहा कि क्या इन दोनों एजेंसियों द्वारा जांच किए जा रहे मामले में आप के विरूद्ध अलग आरोप होंगे। राजू ने कहा कि भ्रष्टाचार और मनी लॉण्डरिंग केस में आरोप अलग होंगे लेकिन उन्हीं अपराधों के लिए।

जस्टिस खन्ना ने कहा, "ध्यान रखिए, सटीक निर्देश लीजिए और मंगलवार को बताइए कि आरोप वे ही होंगे या अलग।"

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने यह बयान तब दिया जब बैंच शराब घोटाले में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आप के वरिष्ठ सांसद संजय सिंह भी इसी मामले में गिरफ्तार हुए हैं और अभी जेल में हैं।

- इस केस में ई.डी. और सी.बी.आई. का प्रतिनिधित्व कर रहे एडिशनल सॉलिसिटर जनरल, एस.वी. राजू ने कहा कि, हम आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाने पर विचार कर रहे हैं।
- राजू ने कहा, प्रिवैन्शन ऑफ मनी लॉण्डरिंग एक्ट की धारा 70 और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत आप को आरोपी बनाया जा सकता है।
- सुप्रीम कोर्ट की, जस्टिस संजीव खन्ना एवं एस.वी.एन. भट्टी की बैंच ने राजू से पूछा कि, ई.डी. व सी.बी.आई. जिस केस की जांच कर रही हैं, क्या उसमें आप के खिलाफ अलग से आरोप तय होंगे। बैंच ने कहा कि, बहुत सर्तकता से और सटीक तरीके से मंगलवार को अपना जवाब दें।

चुनावी मौसम में कोयला संकट से घिरा राजस्थान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ की कोयल खदान में उत्पादन बंद होने के कारण राजस्थान में कोयले की कमी आ गई है, जहां चुनाव होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- बताया जाता है कि, यह संकट छत्तीसगढ़ सरकार की लापरवाही का नतीजा है। हैरानी की बात है कि, राजस्थान की तरह छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की सरकार है फिर भी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजस्थान सरकार के तमाम आवेदनों की अनदेखी की।